छत्तीसगढ़ एवं आस-पास के क्षेत्रों के लिए यह ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का "शान्ति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर" अपने आप में सबसे अनोखा और आध्यात्मिक आकर्षक का केन्द्र

– भवन में होंगी ये सारी सुविधाएं–

- 105 फीट ऊंची, 150 फीट चौड़ी और 225 फीट लंबी है यह इमारत।
- 2000 लोगों की क्षमता का एलईडी स्क्रीनयुक्त एसी ऑडिटोरियम।
- 400 लोगों की क्षमता के दो सेमिनार हॉल।
- 100 लोगों को एक साथ राजयोग ध्यान करने के लिए विशाल मेडिटेशन हॉल।
- 25 लोग लाइब्रेरी में एक साथ बैठकर संस्था की आध्यात्मिक व नैतिक शिक्षा देने वाली किताबें पढ़ सकेंगे।
- 100 अतिथियों को ठहरने के लिए उत्तम सुविधायुक्त कमरे।
- 300 से अधिक लोग एक साथ डायनिंग हॉल में कर सकेंगे भोजन।
- 200 से अधिक लोग वीडियो थिएटर में संस्था द्वारा तैयार की गई आध्यात्मिक फिल्में देख सकेंगे।
- दो एकड़ जमीन पर बना ये भवन देखने में राजस्थानी शैली के महल का एहसास देता है। यह पाँच मंजिला भवन जो उत्तम सुविधाओं से लैस है।
- समाज के प्रत्येक वर्ग जैसे युवा, मेडिकल, मीडिया, प्रशासक, सामाजिक, शिक्षा, राजनीतिज्ञ, स्पोर्ट्स आदि वर्गों की उन्नति के लिए कार्यशालाएं, कॉन्फ्रेंस आदि के कार्यक्रम निरन्तर चलेंगे।
- 2018 से 11 हजार सदस्यों ने रोज दिया न्यूनतम एक रुपये, इसी से तैयार हुआ राजस्थानी शैली में शान्ति शिखर।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के "शान्ति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड रिट्रीट" सेंटर के भवन का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन करते हुए भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी। साथ हैं छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका व माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय।

मंचासीन हैं भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका व माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रिमोट से भवन का लोकार्पण करते हुए। साथ हैं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका व माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव डॉ. राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय।

आने वाले समय में ब्रह्माकुमारीज़ विश्व शान्ति...

पेज 1 का शेष...

में मैं जहाँ-जहाँ गया, एक भी देश ऐसा नहीं होगा जहाँ एयरपोर्ट हो या कार्यक्रम का स्थान हो मुझे ब्रह्माकुमारीज़ के लोग नहीं मिले हों, उनकी शुभकामनाएं मेरे साथ न रही हों। इसमें मुझे अपनेपन का एहसास भी होता है और आपकी शक्ति का भी अंदाजा लगता है। जिन सपनों को लेकर आप चले हैं वह सपने नहीं हैं, वह संकल्प होते हैं। आपके संकल्प पूरे हों।

यह ऊर्जा लोगों को शान्ति प्रयासों से जोड़ेगी

पीएम मोदी ने कहा कि आज हमारा छत्तीसगढ़ अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है। छत्तीसगढ के साथ झारखंड और उत्तराखंड की स्थापना के भी 25 वर्ष पूरे हुए हैं। देश के और भी कई राज्य अपना स्थापना दिवस मना रहे हैं। मुझे विश्वास है शान्ति शिखर जैसे संस्थान भारत के प्रयासों को नई ऊर्जा देंगे। इस संस्थान से निकली ऊर्जा देश-दुनिया के लाखों लोगों को विश्व शान्ति के इस विचार से जोड़ेगी।

अध्यात्म दिखाता है शान्ति की राह

पीएम मोदी ने अध्यात्म पर कहा कि आत्म संयम से आत्म ज्ञान, आत्म ज्ञान से आत्म साक्षात्कार और आत्म साक्षात्कार से आत्म शान्ति, इसी पथ पर चलते हुए शान्ति शिखर एकेडमी में साधक वैश्विक शान्ति का माध्यम बनेंगे। ग्लोबल पीस के मिशन में जितनी अहमियत विचारों की होती है, उतनी ही बड़ी भूमिका व्यावहारिक नीतियों और प्रयासों की भी होती है। भारत उस दिशा में आज अपनी भूमिका पूरी ईमानदारी के साथ निभाने का प्रयास कर रहा है। पूरी दुनिया में कहीं भी संकट आता है, कोई आपदा आती है तो भारत एक भरोसेमंद साथी के तौर पर मदद के लिए आगे आता है, तुरंत पहुंचता है। भारत फर्स्ट रेस्पॉन्डर होता है। विश्व का कल्याण हो, प्राणियों में सद्भाव हो ऐसी उदार सोच के साथ हमारे यहाँ हर धार्मिक अनुष्ठान होता है। विश्व कल्याण की भावना का आस्था से सहज संगम हमारी सभ्यता, संस्कृति का सहज स्वभाव है। ये भारत की आध्यात्मिक चेतना का प्रकट रूप है।

प्रकृति के साथ मिलकर जीना सीखना होगा

पीएम मोदी ने पर्यावरण संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि आज पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों के बीच भारत पूरे विश्व में प्रकृति संरक्षण की प्रमुख आवाज़ बना हुआ है। बहुत आवश्यक है कि प्रकृति ने हमें जो दिया है हम उसका संरक्षण और संवर्धन करें। यह तभी होगा जब हम प्रकृति के साथ मिलकर जीना सीखेंगे। भारत अभी से भविष्य के प्रति अपनी इन ज़िम्मेदारियों को न केवल समझ रहा है, बल्कि उन्हें निभा भी रहा है। वन सन, वन वर्ल्ड, वन ग्रीड जैसे भारत के इनीशिएटिव वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर का भारत के विज़न के साथ आज दुनिया जुड़ रही है। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ परिवार की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक अभिनंदन है। परमात्मा आपको उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करे ताकि आपके भारत के विश्व गुरु बनाने के संकल्प को सकारात्मक ऊर्जा मिलती रहे और आपके नेतृत्व में देश आगे बढ़ता रहे।

कुछ प्रमुख झलकियां...

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान से मेरा अपनापन है, ब्रह्माकुमारीज़ में शब्द कम, सेवा ज़्यादा है।
- "ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड" समाज की सेवा में समर्पित
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया नवनिर्मित भवन का लोकार्पण, पी.एम. ने मेडिटेशन रुम में लगाया ध्यान
- माननीय प्रधानमंत्री ने अपने सम्बोधन में अध्यात्म, विश्व शान्ति, पर्यावरण संरक्षण, संस्कृति और ब्रह्माकुमारीज़ से जुड़े अपने अनुभवों को किया साझा।
- छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका, माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, अतिरिक्त महासचिव डॉ. राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय तथा अन्य संस्थान के पदाधिकारी भी रहे मौजूद।
- ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अतिरिक्त महासचिव राजयोगी डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने छत्तीसगढ़ी टोपी और माला पहनाकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया।
- अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी ने माननीय प्रधानमंत्री को शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।
- परिसर में पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. दादी जानकी और प्रधानमंत्री मोदी की आकर्षक रंगोली भी सजाई गई।
- पूरे परिसर को आकर्षक लाइटिंग से सजाया गया।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी को आकर्षक रंगोली देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री।

नवनिर्मित "शान्ति शिखर एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर" के सभागार में बैठे हुए ब्र.कु. भाई-बहनें तथा अन्य।